त्रिकाल दृष्टि

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

रजि. नं.- MPHIN - 31958

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-10, भोपाल, 15 से 31 मार्च 2016 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

मिशन असमः चुनावी वादा, रोकेंगे बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ

गोहाटी। असम में बांग्लादेश से लगातार हो रही अवैध घुसपैठ को भाजपा ने मुख्य चुनावी मुद्दा बनाया है। आगामी विधानसभा चुनाव के लिए आज भाजपा ने दृष्टिपत्र जारी किया। इसमें पार्टी ने वादा किया है वह सरकार में आई तो भारत-बांग्लादेश सीमा सील की जाएगी। असम विधानसभा चुनाव के लिए दृष्टिपत्र जारी करते हुए भाजपा ने मुख्यमंत्री तरूण गोगोई पर घुसपैठ को ब ावा देने तथा राज्य की जनसांख्यिकी नष्ट करने का आरोप भी लगाया। केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली ने गोगोई सरकार पर आरोप लगाया कि कांग्रेस ने घुसपैठ को ब ावा दे कर राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने तथा नष्ट करने की कोशिश की। कांग्रेस कई दशकों से ऐसा कर रही है और उसने कोई कार्रवाई नहीं की। असम में चार अप्रैल को विधानसभा चुनाव होंगे। दृष्टिपत्र में भाजपा ने सत्ता में आने पर राज्य में भारत बांग्लादेश सीमा को सील करने के लिए केंद्र के साथ मिलजुलकर काम करने का वादा किया है। साथ ही पार्टी ने लोगों से वादा किया कि घुसपैठियों को रोजगार देने वाले उद्योगों, कारोबारियों, छोटे एवं मध्यम उद्यमों तथा अन्य एजेंसियों के साथ कठोरता से निपटने के लिए एक कानून बनाया जाएगा।

सावरकर पर टिप्पणी के लिए बीजेपी ने किया कांग्रेस पर पलटवार

बलिया। भाजपा आरएसएस के विचारक वीडी सावरकर के खिलाफ टिप्पणी के लिए कांग्रेस पर पलटवार करते हुए भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं जब विपक्षी दल को महात्मा गांधी और सरदार पटेल भी राष्ट्रविरोधी लगने लगेंगे। सलेमपुर से सांसद रविन्द्र कुशवाहा ने आज यहां संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस पर राष्ट्रविरोधी तत्वों का खुलेआम साथ देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अफजल गुर और याकूब मेमन उसके आदर्श बन गये हैं जबकि देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सावरकर उसकी नजर में राष्ट्रविरोधी हैं। उन्होंने कहा कि अगर सावरकर गद्दार थे तो फिर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनकी देशभक्ति का गुणगान करते हुए उन पर डाक टिकट क्यों जारी किया था। कुशवाहा ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब उनको (कांग्रेस को) महात्मा गांधी और सरदार पटेल राष्ट्रविरोधी लगेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए कार्यों से कांग्रेस नेता निराश और हतोत्साहित हैं और राष्ट्रभक्त तथा राष्ट्रविरोधी तत्वों के बीच अंतर नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस ने भगत सिंह की पुण्यतिथि पर कहा था कि भगत सिंह ने ब्रिटिश शासन को जल्लाद भेजने की चुनौती दी थी जबकि भाजपा-आरएसएस के विचारक सावरकर ने अपनी रिहाई के लिए अनुनय विनय की थी। पार्टी ने ट्वीट में कहा था कि भगत सिंह ने ब्रिटिश शासन से आजादी के लिए युद्ध छेड़ा था जबकि वीडी सावरकर ने दया के लिए, ब्रिटिश शासन में गुलामी के लिए याचना की थी। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के बारे में भाजपा सांसद ने कहा कि इस सूबे में उनकी पार्टी की लहर चल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा के सबसे बड़े चेहरे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी कौन होगा, यह महत्वपूर्ण नहीं है। पार्टी सही समय पर अपनी रणनीति का खुलासा करेगी।

महबूबा मुफ्ती का जम्मू-कश्मीर की पहली महिला सीएम बनना तय

जम्मू-कश्मीर। जानकारी के अनुसार बीजेपी प्रतिनिधिमंडल गवर्नर से मिलेगा। वहीं, महबूबा मुफ्ती भी गवर्नर से मिलेंगी। इससे यह संभावना बनी है कि जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन की तारीख तय हो सकती है।

गौर हो कि भाजपा हाईकमान ने राम माधव और जितेन्द्र सिंह को जम्मू कश्मीर की वर्तमान राजनीतिक स्थिति का आकलन करने और सरकार के गठन के बारे में पार्टी के विधायकों की राय जानने का दायित्व सौंपा। जिसके बाद आज बीजेपी विधायक दल की बैठक हुई। यह महत्वपूर्ण बैठक आज हुई, जिसमें राज्य भाजपा के सभी विधायक और शीर्ष नेतृत्व ने हिस्सा लिया।

बता दें कि राज्यपाल एनएन वोहरा ने पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा को पत्र लिखा है और उनसे शुक्रवार को मिलने को कहा है ताकि सरकार के गठन के बारे में स्थिति स्पष्ट कर सके। भाजपा का शिष्टमंडल आज राज्यपाल से मुलाकात करेगा और उन्हें राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति के बारे में पार्टी के रूख से अवगत कराएगा।

गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर में आठ जनवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। सात जनवरी को मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद का निधन हो गया था। बीते 22 मार्च को महबूबा ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई उनकी बैठक की पृष्ठभूमि में विधायक दल की यह बैठक हुई। भाजपा ने यह भी कहा कि उसने पीडीपी की ओर से किसी नयी शर्त को स्वीकार नहीं किया है।

ब्रसल्स में आतंकी हमला, 34 मरे, 170 घायल

ब्रसल्स। बेल्जियम की राजधानी ब्रसल्स के जेवेंतम हवाईअड्डे पर मंगलवार को दो जबरदस्त विस्फोट हुए. इसमें एक आत्मघाती विस्फोट बताया जा रहा है. इसके अलावा तीसरा विस्फोट ब्रसल्स शहर के बीच एक मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन के डिब्बे में हुआ. इन तीनों विस्फोटों में कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई. इसके अलावा एक भारतीय महिला समेत 170 से अधिक लोग घायल हैं. आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए यूरोप में ऐसे ही और हमले करने का एलान किया है। हवाईअड्डे पर हुए दो विस्फोटों में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है. देश के सबसे बड़े हवाईअड्डे पर सुबह आठ बजे के कुछ पहले प्रस्थान हॉल में पहला विस्फोट हुआ. उसके दस सेकेंड बाद ही दूसरा विस्फोट हुआ जिसके बाद खिड़कियां और मशीनें सब टूट कर बिखर गईं और प्रस्थान हॉल युद्ध क्षेत्र जैसा दिखने लगा। एक घंटे बाद मालबीक मेट्रो स्टेशन पर तीन बोगियों वाली मेट्रो ट्रेन की बीच वाली बोगी में विस्फोट हुआ जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई जबकि 55 घायल हैं. घायलों में 16 की हालत नाजुक है. अन्य लोग हवाईअड्डे पर हुए दो विस्फोटों में में घायल हुए हैं.

इस आतंकी हमले की भारत सहित पूरी दुनिया के देशों ने निंदा की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्वीट में इस आतंकी हमले को विचलित कर देने वाला और निंदनीय कहा है। ऐसा लगता है यह सुनियोजित ढंग से किया गया आतंकी हमला है. हवाईअड्डे पर हुए हमले में एक आत्मघाती हमलावर के शामिल होने की बात भी सामने आ रही है, क्योंकि इन दोनों विस्फोटों से पहले गोलियां भी चलाई गईं और अरबी में चिल्लाते हुए भी सुना गया. बाद में एक मृतक के शव के पास रूस निर्मित एक अत्याधुनिक राइफल कलाश्निकोव भी पड़ी मिली। ये विस्फोट पेरिस हमले के संदिग्ध सलाह अब्देसलाम की यहां हुई गिरफ्तारी के मात्र चार दिनों बाद हुए हैं। पेरिस में गत वर्ष नवंबर में हुए उस आतंकी हमले में 130 लोगों की जान गई थ। जेट एयरवेज ने एक बयान में कहा है, जेट एयरवेज के यात्रियों और कर्मचारियों को ब्रसल्स एयरपोर्ट के उस टर्मिनल से हटा दिया गया है. जिन यात्रियों को वहां से दूसरे विमान से कहीं जाना था उन्हें हवाईअड्डे की इमारत से विमान के हैंगरों में भेज दिया गया है। यह भी कहा गया है कि हवाईअड्डे के अधिकारियों के साथ हमारे ब्रसल्स स्थित कर्मचारी जल्द से जल्द आप्रवासन की प्रक्रिया पूरी करने में लगे हैं, ताकि जिन यात्रियों को बाहर जाना है, उन्हें हवाईअड्डे से निकाला जा सके। बेल्जियम के प्रधानमंत्री चार्ल्स माइकल ने इस जनसंहार के लिए आर्तकियों को जिम्मेदार ठहराया है और इसे कायरतापूर्ण कार्रवाई बताया है।

मुंबई कोर्ट में हेडली: पिता के निधन के बाद पाकिस्तान के पूर्व पीएम गिलानी मेरे घर आए थे

मुंबई। आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली ने मुंबई कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहा कि उसने भारत से बदला लेने के लिए लश्कर ए तैयबा संगठन से हाथ मिलाया था। हेडली ने कहा कि 1971 में पाकिस्तान स्थित उसके स्कूल को भारतीय प्लेनों ने बम से उड़ा दिया था जिसके बाद बचपन से ही उसके मन में भारत और भारतीयों के खिलाफ नफरत पैदा हो गई थी। यही वजह थी कि वह भारत को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना चाहता था। गौरतलब है कि 2008 में हुए 26/11 मुंबई हमले में अपने कथित रोल के लिए फिलहाल हेडली अमेरिका में 35 साल की सज़ा काट रहा है। मेरा स्कूल उड़ा दिया था : मुंबई कोर्ट में क्रॉस एक्ज़ाम के दौरान हेडली ने कहा कि %मैं भारत से इसलिए नफरत करता था क्योंकि 1971 में भारतीय हवाई जहाज़ों ने मेरे स्कूल को उड़ा दिया था, जो लोग वहां काम करते थे वह सब मारे गए थे।

फॉर्च्यून की महानतम नेताओं को सूची में सीएम अरविंद केजरीवाल एकमात्र भारतीय

न्यूयॉर्क। फॉर्च्यून पत्रिका ने दुनिया के 50 महानतम नेताओं की अपनी सूची में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम शामिल किया है। केजरीवाल इस सूची में स्थान पाने वाले एकमात्र भारतीय नेता हैं। पहला स्थान अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस को मिला है।

फार्च्यून की तीसरी सालाना "वर्ल्डस 50 ग्रेटेस्ट लीडर्स" की सूची में दुनियाभर से कारोबार, सरकार, परमार्थ कार्यों और कला के क्षेत्र की उन चुनिंदा हस्तियों को शामिल किया गया है, जो "दुनिया बदल रहे हैं और दूसरों को ऐसा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।" आम आदमी पार्टी के प्रमुख केजरीवाल (47 साल) को 42वां स्थान मिला है और वह सूची में शामिल एकमात्र भारतीय नेता भी हैं। दक्षिण कैरोलाइना की भारतीय मूल की अमेरिकी गवर्नर निक्की हेली को सूची में 17वां और एक अन्य भारतीय अमेरिकी रेशम सौजानी को 20वां स्थान मिला है।

मौत के ठीक पहले बैंक ने कराया स्वास्थ्य बीमा

इंदौर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और चोला मंडलम ने किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की राशि को जमकर लूटा। इसके लिए बैंक के नियम ही नहीं, बीमा के नियम भी ताक पर रख दिए। कारण, स्वास्थ्य बीमा के रुपए भर लेना था लेकिन किसान को पता ही नहीं था, इसलिए स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने का सवाल ही नहीं उठता। प्रीतम सिंह जैसे कई किसानों के एक ही खाते से साल में दो-दो बार बीमा प्रीमियम काट लिया। इतना ही नहीं, स्वास्थ्य बीमा के लिए चोला कंपनी की शर्त है कि किसान की उम्र 55 साल से अधिक नहीं होना चाहिए।

लेकिन सागर जिले की दलपतपुर ब्रांच ने 84 साल के पन्नालाल को 42 साल का बताकर स्वास्थ्य बीमा कर दिया। वो भी पन्नालाल की मौत के एक हफ्ते पहले। इसी तरह ट ा शाखा के साहबलाल (70), मंजूलाल(65) सहित एक दर्जन किसानों की भी 55 साल से ज्यादा उम्र होने के बावजूद बैंक ने बीमा राशि काट ली। बैंक भी कभी बीमा तो कभी इंश्योरेंस लिखकर बिना खाताधारक किसान को बताए अवैध तरीके से किसानों के खाते में सेंध लगाती रही।

शिकायत की तो मिलवाया प्रबंधक

किसान धनीराम को सेंट्रल बैंक और चोला की ठगी की जानकारी मिली तो उसने रीजनल मैनेजर रोशन भारद्वाज को शिकायत की। उन्होंने कार्रवाई करने की जगह धनीराम को चोला के जनरल मैनेजर हरीश वर्मा से मिलवाया। धनीराम ने बताया कि हरीश वर्मा ने बीमित राशि से दोगुनी राशि देते हुए चुप रहने को कहा। बाद में बैंक ने उसके बचत खाते में 15 हजार रुपए जमा कर दिए और कहा कि तुम्हारे फसल बीमा के समझ कर रख लो। धनीराम ने इस संबंध में जबलपुर हाई कोर्ट में याचिका भी लगाई है। उधर, इसका खुलासा होने के बाद अब टर्ज, गौरझामर और केसली ब्रांच के बैंक कर्मचारी गांव-गांव जाकर किसानों से सर्वे फार्म के नाम पर हस्ताक्षर ले रहे हैं, जबकि यह बीमा का आवेदन फार्म है।

कुछ अहम सवाल

1. बैंक ने 2012 से 2016 तक किसानों के बीमा भले ही गलत तरीके से एकाउंट से पैसे काटकर किए तो अब किसानों के एकाउंट में पुराना पैसा कैसे दिया जा रहा है? ऐसे में पहले जो पैसा खाते से निकाला वो चोला के एकाउंट में गया या कहीं और?

2. अगर बैंक ने बीमा नहीं कराया तो चोला मंडलम के एकाउंट में रुपए कैसे ट्रांसफर किया?

3. बीमा के फार्म पर हस्ताक्षर ही नहीं लिए तो स्वास्थ्य बीमा कैसे हो गया? 4. अगर बीमा हुआ तो पॉलिसी फार्म पर हस्ताक्षर किसने किए।

पुलिस आई तो पिस्टल लहराते हुए भागा बदमाश

इंदौर। पेट्रोल पंप पर डाका डालने से पहले योगेंद्र बाबा की गैंग को भंवरकुआं पुलिस ने पक लिया। पुलिस के अनुसार गैंग के योगेंद्र बाबा पिता अरुणसिंह तंवर निवासी पीपल्यापाला से पिस्टल, अर्जुन पिता अंतरसिंह तंवर निवासी पीपल्यापाला से देशी पिस्टल, श्रीकांत पिता कैलाश गौ निवासी कुम्हार मोहल्ला से कट्टा, राजेंद्र पिता राजकुमार नहरिया निवासी अशोक नगर से कट्टा और राहुल उर्फ मनीष पिता शेरसिंह निवासी मालवीय पेट्रोल पंप से चाकू मिला है। ये सभी ऋषि का ढाबा के पास छिपकर बैठे थे। इन्हें पक ने पुलिस पहुंची तो योगेन्द्र पिस्टल लहराता हुआ भागा, लेकिन पक लिया। इनसे हथियारों के अलावा चोरी के 24 मोबाइल और तीन लेपटॉप जब्त हुए।

कन्याओं के विवाह के साथ बच्चों को मुफ्त शिक्षा देता है अखाड़

उज्जैन। प्राचीन परंपरा के संवाहक के रूप में पंचायती अखाड़ा नया उदासीन की पहचान है। बड़नगर रोड पर अखाड़े की पताका फहरा रही है। अखाड़े की ओर 8 से 12 वर्ष के बच्चों को वेद की शिक्षा मुफ्त में दी जाती है। हर साल गरीब कन्याओं के विवाह में मदद की जाती है। उदासीन संप्रदाय के महात्माओं के बीच उपजे विवाद के बाद महात्मा सूरदास ने वर्ष 1902 में इलाहाबाद में अलग जमात बनाकर अखा` की स्थापना की थी। देशभर में अखा` की 30 शाखाएं हैं, जिनमें शिक्षा और सनातन परंपरा का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। संतों के मतभेद में बना नया उदासीन जून 1913 में बकायदा रजिस्ट्रेशन कराकर अखाड़े को मूर्त स्वरूप दिया। स्थापना के समय 27 सदस्यों की टीम अखाड़े का संचालन करती थी, जिसका मुख्यालय इलाहाबाद हुआ करता था। बदली परिस्थितियों में अब आठ सदस्य अखाड़े के महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं। वर्तमान में अखाड़े का मुख्यालय हरिद्वार है। सचिव महंत त्रिवेणी दास ने बताया संचालन मंडल के आठ सदस्यों में चार मुखिया महंत, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव एवं उपसचिव हैं।

अखाड़े से संबंधित सभी निर्णय संचालक मंडल लेता है। इसके अलावा मुकामी महंत सोसायटी की देखरेख करते हैं। अखाड़े की गतिविधि ब्रह्ममुहूर्त में प्रारंभ हो जाती है। भगवान श्री चंद्रदेव के पूजन-अर्चन के बाद संत अपने कार्यों में मशगूल हो जाते हैं। अखाड़े में तंगतोड़ नागा परंपरा है। जखीरा प्रबंधक महंत भगत राम, सचिव त्रिवेणी दास एवं महंत सर्वेश्वर मुनि की देखरेख में सिंहस्थ की तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान किया जा रहा है।

विस्फोटक मिलने के बाद

संदिग्ध हिरासत में, भोपाल ले गई एनआईए

उज्जैन। नानाखे ा क्षेत्र के होस्टल में विस्फोटक मिलने के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जांच शुरू कर दी है। रविवार को एनआईए की टीम उज्जैन पहुंची और यहां से एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया है। टीम उसे लेकर भोपाल गई है। वहां उससे पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां सिंहस्थ को लेकर निगरानी रखे हुए है।

एसपी ने रविवार शाम होस्टल में विस्फोटक से भरा बैग रखने वाले साजिश खान पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। बम निरोधक दस्ते ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ नानाखे ा थाने में विस्फोटक अधिनियम के तहत केस दर्ज करवाया है। जांच एजेंसियां हर बिंदु पर पताल कर रही हैं।

स्टेशन पर भी कोई सुरक्षा नहीं

सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा को लेकर कोई इंतजाम नजर नहीं आए। स्टेशन के अंदर यात्री बे रोक-टोक आते जाते नजर आए। प्रवेश और निकासी द्वार पर पुलिसकर्मी तैनात नहीं थे। इसके अलावा स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों की पेटी की सुरक्षा के लिए कर्मचारी तक नहीं हैं। वहीं पार्सल कार्यालय में भी पार्सलों की जांच तक नहीं की जा रही है।

... और महाकाल मंदिर में आईबी के निर्देशों को धता

सुरक्षा की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील महाकाल मंदिर में भी दावों के अनुसार सुरक्षा इंतजाम नजर नहीं आते। मंदिर में जांच के लिए सबसे जरूरी मेटल डिटेक्टर तक बंद पड़े हैं। प्रतिबंध के बावजूद श्रद्धालु परिसर में बैग ले जाते आसानी से नजर आ जाते हैं, वहीं कई लोग साथ में मोबाइल भी भीतर ले जाते हैं। गौरतलब है कि आईबी ने निर्देश दिए थे कि मंदिर में बैग और मोबाइल सख्ती से प्रतिबंधित किया जाए।

चेक पोस्ट पर सिर्फ औपचारिकता

बैग में विस्फोटक मिलने के बाद शहर में अलर्ट जारी कर दिया गया है। बावजूद पुलिस उतनी मुस्तैद नजर नहीं आई। देवास रोड व इंदौर पर लगे चेक पोस्ट पर पुलिसकर्मी अधिकांश वाहन चालक को रोककर उसकी तलाशी तक नहीं लेते नजर आए। आसानी से वाहन शहर में आते रहे। गौरतलब है कि गत दिनों चेक पोस्ट पर दो यातायात पुलिसकर्मी ट्रक चालकों से अवैध वसूली करते भी पकडे गए थे। दोनों को निलंबित कर दिया गया था।

मोबाइल एप से भेजो सेल्फी-वेल्फी, मिलेगा नकद इनाम

उज्जैन। मध्यप्रदेश सरकार के अधिकारिक सिंहस्थ मोबाइल एप का इस्तेमाल कर अब आप नकद पुरस्कार भी पा सकेंगे। इसके लिए अपने मोबाइल से सेल्फी-वेल्फी भेजना होगी और सात आसान सवालों का जवाब देना होगा। देशभर से उज्जैन आने वाले आम और खास मेहमान महाकुंभ सिंहस्थ का सानंद दर्शन कर सकें, इसके लिए मेला प्रशासन ने 55 लाख रूपए खर्च कर सिंहस्थ उज्जैन 2016 नाम से मोबाइल बनाया है, जिसे स्मार्ट फोन में गूगल प्ले स्टोर से अपलोड किया जा सकेगा।

मोबाइल एप के जरिये महाकुंभ में सहभागिता ब ाने को तीन प्रकार की पुरस्कार योजना शुरू की है। पहली सेल्फी फोटो प्रतियोगिता, दूसरी हैरान करने वाले सिंहस्थ जानकारी परक वीडियो की वेल्फी प्रतियोगिता और तीसरी आसान सवालों की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता। तीनों के लिए 1-1 हजार रूपए का पुरस्कार प्रति सप्ताह देना तय किया है। उपमेला अधिकारी एसएस रावत ने कहा है कि तीनों प्रतियोगिताओं की प्रविष्टियां सोमवार से शुरू हो जाएगी। स्नान की तिथियां, रास्ता खोजे, उज्जैन के बारे में, उज्जैन कैसे पहुंचे, ठहरने की व्यवस्था, भोजनालय, पार्किंग, मौसम की स्थिति, दर्शनीय स्थल, नागरिक सहभागिता, फोटो गैलरी, सेवा हेतु रिक्वेस्ट करें, आपातकालीन सेवा, हमसे संपर्क करें, पैनिक। कर्मचारियों के लिए अलग एप और पोर्टल

कर्मचारियों के नियंत्रण के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम और पोर्टल भी बनाया गया है। इसका इस्तेमाल सिर्फ सिंहस्थ में ड्यूटी देने वाले अधिकारी-कर्मचारी ही कर पाएंगे। इस एप में उनका बायोडॉटा, ड्यूटी लोकेशन, बायोमेट्रिक उपस्थिति, छुट्टियों का रिकार्ड मैनटेन होगा।

सचिव खनिज साधन की अध्यक्षता में समिति गठित

भोपाल। खनिज ब्लॉक की ई-नीलामी के कार्य के लिये राज्य शासन ने समिति का गठन किया है। समिति का अध्यक्ष सचिव खनिज साधन को बनाया गया है। समिति के सदस्यों में वित्त, लोक निर्माण विभाग/स क विकास निगम, विधि, वन, राजस्व विभाग, मध्यप्र देश इलेक्ट्रॉनिक डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन द्वारा नामांकित अधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और अन्य कोई अधिकारी, जिसे राज्य शासन उचित समझे को शामिल किया गया है। संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म समिति के समन्वयक होंगे। समिति खनिज ब्लॉक की नीलामी की कार्यवाही का पर्यवेक्षण तथा सभी प्रक्रिया का पालन करवाने और ऑक्शन प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्राप्त उच्चतम बोली को अनुमोदन करने के लिये उत्तरदायी होगी।

पांच राज्यों में किया 500 करोड़ का हवाला

सरावगी एवं पोद्दार को करोड़ रुपए नकद देकर दूसरे राज्यों में चेक के जरिए भुगतान भेजा।

भोपाल। कटनी के हवाला कारोबारी मनीष सरावगी एवं नरेश पोद्दार के यहां आयकर विभाग के छापे के दौरान अफसरों को करीब 500 करोड़ रुपए हवाला के जरिए भेजने का ब्योरा मिला है। दोनों कारोबारियों ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में अरबों रुपए का लेनदेन किया। दो दिन चली छानबीन के बाद विभाग ने उनके ठिकाने पर अपनी सील लगा दी है।

छापे में जांच अधिकारियों को कटनी के कई बड़े व्यापारियों का ब्योरा भी मिला है, जिन्होंने इन व्यापारियों का रिकार्ड जब्त कर विभाग अब उन्हें नोटिस जारी कर पूछताछ करेगा। आयकर अफसरों ने जो रिकार्ड जब्त किया है, उसमें करीब 500 करोड़ के लेनदेन का ब्योरा है। दोनों ठिकानों से मिले दस्तावेजों में अनेक व्यापारियों के नाम-पते दर्ज हैं। जिले के इन व्यापारियों ने नंबर दो में लाखों रुपए नकद देकर चेक हासिल कर दूसरे राज्यों के व्यापारियों को भुगतान की रकम भेजी। इनमें माइनिंग, कोयला एवं अन्य व्यापार से जुड़ेकारोबारी हैं।

व्यापारियों को भेजे नोटिस

विभागीय सूत्रों का कहना है कि हवाला कारोबार के जरिए अपनी काली कमाई को नंबर एक में बदलकर जिन व्यापारियों को राशि भेजी गई उनका भी रिकार्ड खंगाला जा रहा है। उन्हें नोटिस भेजकर लेनदेन का ब्योरा मांगा गया है। कटनी जिले से यह राशि मप्र के अन्य शहरों, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र सहित दो अन्य राज्यों में भी भेजी गई है। विभाग को पांच राज्यों के डिटेल मिले हैं। कटनी जिले के जिन व्यापारियों के नाम मिले हैं, उनके बहीखातों में करोड़ो रुपए की इस रकम की एंट्री तलाशी जा रही है। सरावगी एवं पोद्दार के अलावा दूसरे व्यापारियों के पिछले छह साल के आयकर रिटर्न भी निकलवाए गए हैं।

कटनी में लगाया पीओ

आयकर विभाग ने छापे की कार्रवाई दो दिन बाद रोक कर पीओ (प्रोहिबेटरी आर्डर) लगा दिया है। उनके यहां दो कमरे में आयकर विभाग ने अपनी तालाबंदी कर दी है। दोनों हवाला कारोबारियों से पूछताछ के बाद पोओ हटाया जाएगा। दोनों कारोबारियों के दस्तावेज एवं प्रारंभिक पूछताछ में जिन व्यापारियों के नाम मिले हैं उन सभी की बैलेंस शीट के जरिए यह भी तलाश की जा रही है कि इस कारोबार में और किन-किन लोगों का हाथ है।

वन क्षेत्रों में मनोरंजन और वन्य-जीव अनुभव क्षेत्र विकसित होंगे

भोपाल। राज्य शासन ने वन क्षेत्रों में ईको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वन (मनोरंजन एवं वन्य-प्राणी अनुभव) अधिनियम, 2015 की अधिसूचना जारी कर दी है। ये नियम आरक्षित वन्य-प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में अधिसूचित अभयारण्य अथवा राष्ट्रीय उद्यान में सम्मिलित आरक्षित वन क्षेत्र को छोड़कर सम्पूर्ण राज्य में लागू होंगे। इसमें संभागीय वन अधिकारी अब मनोरंजन क्षेत्र या वन्य-प्राणी अनुभव क्षेत्रों को विकसित करेंगें। यहाँ रोड सफारी, जल विहार, स्वल्पाहार केन्द्र, कैंपिंग सुविधाएँ आदि विकसित की जा सकती हैं। पर्यटकों के लिए प्रवेश शुल्क रखा गया है। पालकों के साथ भ्रमण पर पाँच वर्ष तक आयु के बच्चों से कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा। वन्य-प्राणी अनुभव क्षेत्र में पैदल, साइकिल भ्रमण अथवा दो पहिया वाहन या बस द्वारा प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। वन्य-प्राणी अनुभव क्षेत्र के लिए 16 जून से 30 सितम्बर तक की अवधि प्रतिबंधित रहेगी। इसी प्रकार वन्य-प्राणी अनुभव क्षेत्र में कैंपिंग की अनुमति नहीं होगी। सूर्योदय से पहले तथा सूर्यास्त के बाद अनुभव क्षेत्र में रोड सफारी एवं वाटर स्पोर्ट्स की अनुमति नहीं होगी। वनों तथा वन्य-प्राणियों के रहवास के संरक्षण के लिए स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी को देखते हुए प्राप्त होने वाली आय मनोरंजन क्षेत्र के भीतर वनों की सुरक्षा एवं विकास, मनोरंजन सुविधाओं के विकास एवं रख-रखाव के साथ ही स्थानीय समुदाय के कल्याण पर व्यय की जाएगी।

सैनिक सम्मेलन 26 मार्च को

भोपाल। स्थानीय सैनिक विश्राम गृह में 26 मार्च को प्रात: 11 बजे से सैनिक सम्मेलन किया जायेगा। सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल गोयल ने भोपाल, सीहोर, रायसेन और विदिशा में निवासरत पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों से इस सम्मेलन में उपस्थित होने की अपील की है। सम्मेलन पूर्व सैनिक एवं उनके परिजनों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने, उनकी समस्याएँ जानने और निराकरण की दिशा में कार्यवाही किए जाने के उद्देश्य से किया जाता है।

विकास

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गाडरवारा विद्युत संयंत्र और

जबलपुर-बालाघाट गेज परिवर्तन की प्रगति जानी

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्पलीमेंटेशन (प्रगति) वीडियो कान्फ्रेंस में मध्यप्रदेश से संबंधित मुद्दों पर परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बुधवार को मुख्य सचिव श्री अन्टोनी डिसा सहित अन्य राज्य के मुख्य सचिव से भी चर्चा की।

बताया गया कि नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में 1600 मेगावॉट के विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए सभी कार्यवाही तेजी से की जा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्य सचिव ने बताया कि सुपर थर्मल पावर स्टेशन के लिए शासकीय भूमि का आवंटन और कब्जा देने की कार्यवाही पूरी हो गई है। संयंत्र के लिए 165 एक निजी भूमि का अवार्ड भी पारित हो गया है। कार्यवाही अगले दस दिन में पूरी हो जाएगी। मुख्य सचिव ने बताया कि 8.62 एक अन्य निजी भूमि का भू-अर्जन भी दो माह में कर लिया जाएगा। परियोजना की प्रगति के संबंध में केंद्र सरकार के ऊर्जा सचिव श्री प्रदीप कुमार पुजारी और कोयला मंत्रालय के विशेष सचिव श्री ए.के.दुबे ने भी प्रगति से अवगत करवाया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जबलपुर-बालाघाट रेल लाइन के नेरोगेज से ब्राडगेज परिवर्तन के काम की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने बताया कि तिरोड़ी-कटंगी सेक्शन में पर्यावरणीय अनुमति के लिए रेल मंत्रालय ने बालाघाट में अनुरोध प्रस्तुत किया था जिस पर राज्य सरकार ने कल ही आवश्यक अनुमति जारी कर दी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश सरकार की त्वरित कार्यवाही की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि इस रेल परियोजना के तीन प्रमुख खंड गोंदिया-बालाघाट (50 किलोमीटर), जबलपुर-नैनपुर (113 किलोमीटर) और नैनपुर-बालाघाट (76 किलोमीटर) में काम तेजी से चल रहा है। दूरी की दृष्टि से दो ब खण्ड का काम वर्ष 2017 में क्रमश: मार्च और दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस रेल लाइन के ब्राडगेज में परिवर्तित होने से महाकौशल क्षेत्र की आबादी के साथ ही मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के नागरिकों को दक्षिण भारत जाने के लिए करीब 275 किलोमीटर दूरी कम तय करनी होगी। वर्तमान में मध्य भारत के यात्रियों को इटारसी जंक्शन से होकर दक्षिण भारत की ओर जाना होता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राज्यों में ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना की प्रगति का ब्यौरा भी लिया। मुख्य सचिव श्री डिसा ने बताया कि प्रदेश में परियोजना में 101 नागरिक सेवाएँ प्रदाय की जा रही हैं। इसके अलावा लोक सेवा प्रबंधन विभाग भी जनता को सेवाएँ प्रदान कर प्रदेश को इस क्षेत्र में अग्रणी बना चुका है। लगभग 435 तरह की सेवाएँ नागरिकों को मिल रही हैं।

कान्फ्रेंस में देश में वृद्धावस्था पेंशन के सुचारू वितरण के लिए आधार पंजीयन का लाभ लेने, कुष्ठ रोग निवारण के लिए व्यापक अभियान के संचालन, दिल्ली-मुम्बई इंडस्ट्रियल कॉरीडोर के काम की राज्यों में प्रगति और निवेश संवर्द्धन पर भी बातचीत हुई।

सम्पादकीय

दूध या जहर?

अक्सर ये बात मेरे मन मे आती है की इतनी बड़ी आबादी को दूध हम दें कैसे पा रहे है ? क्या जितने दूध की खपत हे उतनी गाय, भैंस व बकरी उपलब्ध है? और नहीं तो फिर दूध इतनी मात्रा मे कैसे आता है, की दूध का सेवन भी हो रहा है, घी, पनीर भी बन रहा है? दूध में मिलावट व नकली दूध पर लगातार चिंता जताने के बावजूद यह हकीकत हैरान करने वाली है कि देश में 68 फीसद दूध खाद्य नियामक प्राधिकरण के मानकों पर खरा नहीं उतरता। आज तक कोई सरकार ऐसा पुख्ता तंत्र नहीं ला पाई जिससे इसे रोक जाये।

अभी हाल ही मे हमारे मध्य प्रदेश की सबसे भरोसेमंद ''साँची दूध'' जो की साँची दुग्ध संघ द्वारा संचालित है, मे मिलावट की खबरे सभी समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी।

भोपाल दुग्ध संघ के दूध में पानी की मिलावट के मामले में संघ के कई अधिकारी शामिल हैं। सोची-समझी रणनीति के तहत दूध में पानी मिलाने का खेल चलता था और बैरल भी बदल दिया जाता था। मामले की जांच के लिए गठित हाईपावर कमेटी और तीन पूर्व सीईओ वाली पहली कमेटी की बैठक का नतीजा यही निकला। बैठक में जब कमेटी के सवाल हुए तो अनियमितताओं की एक के बाद एक परत खुलती चली गई। दूध में मिलावट पर लगातार चिंता जताने के बावजूद यह हकीकत हैरान करने वाली है कि देश में 68 फीसद

दूध खाद्य नियामक प्राधिकरण के मानकों पर खरा नहीं उतरता। इसमें यूरिया से लेकर कास्टिक सोडा, डिटर्जेंट पाउडर, नकली चिकनाई, सफेद रोगन आदि तमाम तरह के रसायन मिले होते हैं। ये विषैले तत्व जीवनदायी दूध को धीमे जानलेवा जहर में तब्दील कर उसे विभिन्न गंभीर रोगों का जनक बना देते हैं। लोकसभा में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने दूध में भयावह मिलावट पर चिंता जताते हुए उसे रोकने की एक नई तकनीक के विकास का दावा किया है। उनके मुताबिक ऐसी तकनीक फिलहाल किसी अन्य देश में उपलब्ध नहीं है। मिलावट की थोड़ी मात्रा को भी पहचानने में सक्षम इस अत्यंत किफायती तकनीक से महज चालीस-पैंतालीस सेकेंड में दूध के नमूने की जांच हो जाती है और इसमें खर्च भी केवल पांच से दस पैसे आता है। लेकिन सवाल है क्या महज किसी तकनीक के भरोसे भारत जैसे विशाल देश में बड़े पैमाने पर दूध में होने वाली मिलावट को रोका जा सकता है? अब तक इस मिलावट को पहचानने के लिए रासायनिक प्रक्रिया अपनाई जाती थी और उसी से गुजर कर दुग्ध संयंत्रों और सहकारी समितियों का दूध ग्राहकों तक पहुंचता रहा है। फिर भी अगर देश में बिकने वाला 68 फीसद दूध मिलावटी है तो क्या यह गहन चिंता और दूध की शुद्धता सुनिश्चित करने के उपायों पर पुनर्विचार का विषय नहीं होना चाहिए? बहरहाल, सरकार ने सांसदों को अपने संसदीय क्षेत्र में सांसद निधि से दुग्ध मिलावट पहचानने की यह नई तकनीक पहुंचाने का सुझाव दिया है और साथ ही जीपीएस आधारित एक अन्य तकनीक विकसित करने की बात कही है जिससे पता लग सके कि सप्लाई के दौरान किस जगह दूध में मिलावट की गई। लेकिन हमें नहीं भूलना चाहिए कि दूध की मिलावट असल में इस धंधे में इंसानी लालच की मिलावट से भी जुड़ी समस्या है। हर तकनीक की अपनी सीमाएं होती हैं और ये सीमाएं मिलावट करने वालों के लालच पर लगाम लगा पाएंगी, इसमें संदेह है। इसके मद्देनजर हमें इस विकराल समस्या को समग्र रूप में देख कर दुग्ध उत्पादन से लेकर उसे ग्राहकों तक पहुंचाने की समूची प्रणाली की कड़ी निगरानी का तंत्र विकसित करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है और यहां रोजाना दो लाख गांवों से दूध एकत्रित किया जाता है। हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में डेयरी उद्योग की अहम भूमिका है। इतने बड़े और महत्वपूर्ण दुग्ध व्यवसाय के बावजूद दूध की गुणवत्ता पर निगरानी के लिए कारगर तंत्र का देश में लगभग अभाव है। इस दिशा में अपनी किस्म का पहला प्रयास खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण ने 2011 में देश के अट्ठाईस राज्यों और पांच केंद्रशासित प्रदेशों में दूध की गुणवत्ता जांचने के लिए किया था, जिसमें सत्तर प्रतिशत नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे थे। उस सर्वे के नतीजों पर थोड़ी-बहुत चिंता जताने के बाद दुग्ध उद्योग को फिर मिलावटखोरों के भरोसे छोड़ दिया गया। हमें नहीं भूलना चाहिए कि भारत सबसे ज्यादा शाकाहारी आबादी वाला मुल्क भी है और इस विशाल जनसंख्या के लिए दूध और दुग्ध उत्पाद ही प्रोटीन के मुख्य स्रोत हैं। अगर इन स्रोतों से प्रोटीन के बजाय विषैले रसायन मिलेंगे तो क्या हम कभी भी स्वस्थ भारत का सपना साकार कर पाएंगे? यह जहरीला दूध पीने से हमारे बच्चों व युवा पीढ़ी का क्या होगा?

- पराग वराडपांडे

शिवराज सिंह चौहान की अगुआई में

अव्वल बना मध्यप्रदेश

भोपाल। कुछ साल पहले तक बीमारू प्रदेशों की कतार में शुमार किये जाने वाले मध्यप्रदेश की पहचान अब तेजी से विकास करने वाले प्रदेश के रूप में होती है। यह अब कई क्षेत्रों में देश में अगुआ और अव्वल भी बन गया है।

एक दशक में हुए इस चमत्कार के पीछे प्रदेश की तरक्की के प्रति श्री शिवराज सिंह चौहान का संकल्प और समर्पण है। उन्होंने शुरू में ही जनता के बीच इस रूप में यह जाहिर कर दिया था कि %मध्यप्रदेश उनका मंदिर है, जिसमें रहने वाली सा` सात करो जनता उनकी भगवान है और उसका पुजारी शिवराज सिंह चौहान हैं%। मध्यप्रदेश को देश का नम्बर एक राज्य बनाऊँगा। इन दोनों बातों की गंभीरता को उस समय लोगों ने भले ही कम समझा हो, लेकिन आज जब यह सब चरितार्थ होते दिख रहा है, तब लोगों में उनके प्रति विश्वास और प्रगा हुआ है। प्रदेश में हुए अद् भुत कामों की गूँज न केवल देश में बल्कि दूर देशों तक सुनाई दे रही है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख से निकली इन दोनों बातों में उनके व्यक्तित्व और कृतित्व का ताना-बाना बुना है। एक दशक से प्रदेश का नेतृत्व करने वाले श्री चौहान को आज भी जनता अपने सबसे नजदीक पाती है तो उनकी सादगी, विनम्रता और सहजता है। यही गुण उन्हें औरों से अलग करते हैं। सामान्य ग्रामीण पृष्ठभूमि के किसान परिवार में जन्में श्री चौहान को किसी भी प्रकार का बनावटीपन और अहम दूर-दूर तक छू नहीं सका है। उन्होंने जो कहा वो किया। जनता की सुख-समृद्धि के लिये ठोस कार्यक्रम बनाये और उन्हें जमीन पर उतारा भी। उन्होंने प्रदेश के पिछ`पन को दूर करने के लिये हर वर्ग के उत्थान की योजनाएँ बनायी तथा प्रदेश के ढाँचागत विकास को प्राथमिकता दी।

प्रदेश के किसानों को खुशहाल बनाने के लिये खेती को लाभकारी धंधा बनाने का संकल्प लिया। इस दिशा में उन्होंने कृषि की लागत को कम और पैदावार को वाजिब दाम दिलवाने के ठोस कदम उठाये। देश में किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण देने और मूलधन की वसूली दस फीसदी कम करने वाला एकमात्र राज्य मध्यप्रदेश है। इससे कृषि के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल की गई। प्रदेश को लगातार चार बार कृषि कर्मण पुरस्कार से नवाजा गया है।

प्रदेश, महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिये स्थानीय निकायों में पचास फीसदी आरक्षण देने में भी अग्रणी है। वैसे तो बेटियों के जन्म से लेकर पोषण, शिक्षा, विवाह, रोजगार आदि का पूरा इंतजाम किया है। समाज की अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों के जीवन को सुखमय बनाने के लिये उन्होंने कामगारों, रिक्शा और हाथठेला चालकों, तुलावटी, हम्माल, शहरी घरेलू काम-काजी महिलाओं आदि निर्धन वर्ग के कल्याण तथा सामाजिक सरोकार से जु` कार्यक्रम लागू किये हैं।

श्री चौहान की विकास एवं जनोन्मुखी सोच, संकल्प और दृ इच्छाशक्ति की बदौलत प्रदेश में सिंचाई, स क एवं बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुशासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल की गई है। वर्ष 2003 में प्रदेश जहाँ अत्यंत पिछ ा राज्य था, वहीं आज देश के अग्रणी राज्यों की कतार में शामिल है तो इस दौरान किये गये कार्य ही हैं। उस समय विद्युत उत्पादन मात्र 5173 मेगावॉट था, आज 16 हजार 116 मेगावॉट हो गया है। सिंचाई का रकबा सा` सात लाख हेक्टेयर था, जो आज ब कर 36 लाख हेक्टेयर हो गया है। गेहूँ का उत्पादन मात्र 73.65 मीट्रिक टन था, जो आज 184.80 लाख मीट्रिक टन हो गया है। वर्ष 2003 में सकल घरेलू उत्पाद 1,02,839 करो था जो आज ब कर 5,08,006 करो हो गया है।

(Wanted Dealer for Bhopal - Product Apna GPS System)

SAAP SOLUTION

Explore New Digital World

- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

इन कारणों से सेना में जाना चाहते हैं युवा

देश के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित करियरों में से एक है रक्षा सेवाओं में करियर। चुनौतियों और रोमांच से भरे इस क्षेत्र में करियर बनाकर युवा अपनी हर प्रोफेशनल अपेक्षा पूरी कर सकते हैं। सैन्य सेवाओं में मुख्य रूप से 4 सेवाएं शामिल हैं- थलसेना, वायुसेना, नौसेना और कोस्ट गार्ड (तटरक्षक बल)। इसके अलावा, इन बलों का हाथ बंटाने के लिए अनेक अर्द्धसैनिक बल भी होते हैं। कोई अन्य नौकरी करने की तुलना में सैन्य बलों में जॉब करने का अलग ही आनंद और संतोष है। यहां हम बात करेंगे ऐसे 8 कारणों की, जिनके चलते युवा सैन्य बलों में करियर बनाने के लिए आकृष्ट होते हैं और जिनके चलते आप भी इस क्षेत्र में करियर बनाने के बारे में सोच सकते हैं।

गर्व और संतुष्टि

एक फौजी के रूप में करियर आपको सीधे-सीधे मातृभूमि की सेवा करने का अवसर देता है। देश की सेवा करने से जो खुशी मिलती है, उससे ब?कर खुशी भला कहां मिलेगी? किसी सैन्य बल की वर्दी धारण करना अपने आप में गर्व की बात है।

व्यक्तिगत विकास

सेनाओं में आपको अपना व्यक्तित्व निखारने के अनेकानेक अवसर मिलते हैं। यदि आप नौकरी करते हुए आगे प?ना चाहते हैं, तो इसके लिए भी प्रावधान है। इस प्रकार प्राप्त की गई उच्च शिक्षा आपको रिटायरमेंट के बाद काम आ सकती है। इसके अलावा सैन्य बलों में ही ऐसे कई ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जाते हैं, जो व्यक्तिगत और व्यवसायिक विकास के लिए अच्छे होते हैं।

प्रतिष्ठा और सम्मान

यह देश के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित करियरों में से एक है। सैन्य बलों का सदस्य होने के नाते देशवासियों से जो प्यार व सम्मान मिलता है, वही कई युवाओं को यहां खींच लाता है।

विविधता व रोमांच

जिन युवाओं को रोमांच और चुनौतियों से भरे करियर की तलाश है, उनके लिए सैन्य बल बिल्कुल सही स्थान हैं। यहां हर कदम पर चुनौतियां हैं, रोमांच है।

जॉब सिक्योरिटी, आर्थिक स्थिरता

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में जॉब सिक्योरिटी के लिहाज से एक सम्मानजनक सरकारी नौकरी सर्वश्रेष्ठ है। सैन्य बलों की नौकरी ऐसी ही है। इसके अलावा यहां वेतनमान भी आकर्षक होता है। छठे और सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद तो यह और भी बेहतर हो गया है। एक उदाहरण देखें, तो छठे वेतन आयोग के बाद एक लेफ्टिनेंट की सीटीसी लगभग 65,000 रुपए प्रति माह हो गई है और सातवें वेतन आयोग ने सैन्य अधि?कारियों
के वेतन में आकर्षक वृद्धि की सिफारिश की है। फिर वेतन के अलावा सैन्य बलों में आपको कई तरह के भत्ते भी मिलते हैं, जैसे फ्लाइंग पे, हाई एल्टिट्यूड अलावंस, सेलिंग अलावंस, आइलैंड अलावंस, पायलटेज अलावंस, डाइविंग अलावंस, सबमरीन अलावंस, कमांडो अलावंस आदि।

रिटायरमेंट के बाद के लाभ

रिटायर होने पर, पीएफ व अन्य बचतों के अलावा सैन्यकर्मी को आजीवन पेंशन मिलती है। यही नहीं, सैन्य बल में प्राप्त अनुभव, ट्रेनिंग और शिक्षा के बल पर रिटायरमेंट के बाद भी आकर्षक जॉब पाने की उजली संभावना रहती है।

स्वयं व परिवार के लिए सुविधाएं

सैन्य बलों के अधिकारियों को कई प्रकार की सुविधाएं मिलती हैं, जो देश के अन्य नागरिकों को नहीं मिलतीं। ये हैं बच्चों के लिए निःशुल्क स्कूली शिक्षा, आश्रितों के लिए निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं, केंटीन सुविधाएं, लोन सुविधाएं, उत्तम आवास, साल में एक बार परिवार सहित देश में कहीं भी यात्रा करने के लिए निःशुल्क हवाई टिकिट आदि। यही नहीं, विभिन्न क्लबों, जिम, गोल्फ कोर्स आदि की सदस्यता भी इनके लिए लगभग निःशुल्क ही होती है।

शारीरिक फिटनेस

सैन्य बलों में स्वस्थ जीवनशैली और उत्कृष्ट फिटनेस लेवल अनिवार्य है। इस प्रकार यह जॉब एक तरह से आपके बेहतर स्वास्थ्य की गारंटी भी है।

बेचना है
आईटीआई कॉलेज
शिवपुरी के पास पिछोर में बेचना है 2 बीघा जमीन पर स्थापित (18000 sqft building) ITI संस्थान सभी शासकीय परमिशन प्राप्त।
संपर्क करने हेतु
मो. 9826236888, 9425313619

एशिया से अमेरिका जाने वाले सबसे ज्यादा वैज्ञानिक व इंजीनियर हैं भारतीय

एशिया से सबसे ज्यादा प्रवासी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को अमेरिका भेजने के मामले में भारत सबसे ऊपर है और अमेरिका महाद्वीप में इस तरह के कुल 29 लाख 60 हजार पेशेवरों में से तकरीबन नौ लाख 50 हजार भारतीय हैं। एक नई रिपोर्ट में शोधार्थियों ने बताया कि साल 2003 से 2013 के बीच अमेरिका में रहने वाले वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की संख्या दो करोड़ 16 लाख से बढ़कर दो करोड़ 90 लाख हो गई. इन 10 सालों में प्रवासी वैज्ञानिक व इंजीनियरों की संख्या में खासी बढ़ोतरी हुई और इनकी संख्या 34 लाख से बढ़कर लगभग 52 लाख हो गई है।

साल 2013 में अमेरिका में रहने वाले प्रवासी वैज्ञानिक और इंजीनियरों में से लगभग 57 प्रतिशत का जन्म एशिया में, 16 प्रतिशत का यूरोप में और छह प्रतिशत का अफ्रीका में, 20 प्रतिशत का उत्तरी अमेरिका (संयुक्त राज्य अमेरिका को छोड़कर), मध्य अमेरिका, कैरिबियन या दक्षिणी अमेरिका में और एक प्रतिशत से भी कम लोगों का जन्म ओसियानिया में हुआ।

एशियाई देशों से संबंद्ध प्रवासी वैज्ञानिक और इंजीनियरों में सबसे ज्यादा लोगों का जन्म भारत में हुआ और एशियाई लोगों के कुल 29 लाख 60 हजार वैज्ञानिक-इंजीनियरों में से साढ़े नौ लाख लोगों का जन्म भारत में हुआ।

अमेरिकी राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन के नेशनल सेंटर फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग स्टैटिक्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2003 के मुकाबले 2013 में भारत के प्रतिनिधित्व में 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

"SWATI TUTION Classes"
Don't waste time
Rush Immediately for Coming Session 2016-2017
Personalized Tutions up to 7th Class for All Subjects
Special Classes for Sanskrit
CONTACT : SWATI TUTION CLASSES
SAGAR PREMIUM TOWER, D-BLOCK, FLAT.NO.007
MOBILE-9425313620, 9425313619

मुंहासों से आ चुके हों तंग

तो अपनाए नींबू के ये आसान से उपाय

अगर आप मुंहासों की समस्या से जूझ रहे हैं तो इससे छुटकारा पाने के लिए नींबू बेहद कारगर उपाय है। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ आकृति मेहरा के अनुसार नींबू का रस त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं में बेहद कारगर है।

नींबू में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो बैक्टीरिया के संक्रमण को बढ़ने नहीं देता। ऐसे में इन उपायों को अपनाकर आप मुंहासों की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

1. नींबू का रस एक कटोरी में नींबू का रस ले लें। उसमें रूई का एक टुकड़ा डालकर उसे निचोड़ लें और इसे मुंहासों से प्रभावित स्थान पर लगाएं। इसे त्वचा पर 10 मिनट तक लगा रहने दें। उसके बाद इसे पानी से धो लें और साफ तौलिए से हल्के हाथों से पोंछ लें। इस प्रक्रिया को हर रोज दिन में दो बार दोहराएं। कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आने लगेगा। 2. नींबू का रस और शहद एक कटोरी में नींबू का रस और शहद ले लें और अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को मुंहासों से प्रभावित स्थान पर लगाएं और पांच मिनट के लिए छोड़ दें। उसके बाद पानी से साफ करके तौलिए से पोंछ लें। इस उपचार को दिन में एक बार करने से बहुत फायदा होगा. 3. नींबू और अंडे की सफेदी एक अंडा लें और उसका सफेद हिस्सा अलग कर लें। इसमें दो चम्मच नींबू का रस मिलाएं और अच्छी तरह फेंट लें।

इस मिश्रण को तीन हिस्सों में बांटें। पहले भाग को त्वचा पर लगाएं और पांच से सात मिनट ऐसे ही रहने दें। उसके बाद दूसरा भाग उसके ऊपर लगाएं। पांच से सात मिनट के बाद त्वचा पर तीसरे हिस्से की परत लगाएं। पांच से सात मिनट के बाद इस हिस्से को गर्म पानी से धो लें और त्वचा को थपथपा कर पोंछ लें।

4. नींबू और चना एक कटोरी में चने का पाउडर ले लें और उसमें नींबू का रस मिलाएं। इन्हें अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे मुंहासों से प्रभावित स्थान पर लगाकर कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। उसके बाद इस हिस्से को गुनगुने पानी से धो लें और त्वचा को साफ तौलिए से पोंछ लें। अगर इसके बाद त्वचा में रूखापन महसूस हो तो मॉइश्चराइजर लगा लें।

जानिए, सब्जियां साफ करने का सही तरीका

आप चाहें माने या न मानें पर ये सच है कि जिन फलो और सब्जियों को हम सेहत बनाने के लिए खाते हैं उन्हें कई प्रकार की कृत्रिम खादों और कीट-नाशकों का प्रयोग करके उगाया जाता है। फसलों को नुकसान से बचाने के लिए किसान खेतों में कीट-नाशकों का छिड़काव करते हैं।

खेत से जब ये फल और सब्जियां बाजार पहुंचती हैं तो इनमें इन कीट-नाशकों को कुछ अंश चिपका ही रह जाता है। उसके अलावा कई तरह की अशुद्धियां भी इसमें कई तरह की दूसरी अशुद्धियां भी होती हैं। इन अशुद्धियों को नंगी आंखों से नहीं देखा जा सकता है। ऐसे में कई बार हम फलों और सब्जियों के साथ इन अशुद्धियों को भी निगल लेते हैं जो एक वक्त बाद शरीर के लिए नुकसानदायक साबित होने लगता है। ये कीट-नाशक शरीर में जमा होने लगता है और शरीर में विषाक्त पदार्थ की मात्रा बढ़ती जाती है।

इनके चलते कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही तंत्रिका तंत्र पर भी इस असर पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा कई मामलों में तो इम्यून सिस्टम भी चौपट हो जाता है।

ऐसे में सब्जियों की सफाई करना बहुत जरूरी हो जाता है। पर कुछ लोग गलत तरीके से सब्जियों की सफाई करते हैं जिसके चलते सब्जियों और फलों के पोषक तत्व समाप्त हो जाते हैं। इन तरीकों से फलों और सब्जियों को साफ करने से एक ओर जहां आप विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचे रहते

हैं वहीं उनके पोषक तत्व भी नष्ट नहीं होते हैं।

1. सिरके की मदद से

सिरका एक ऐसी चीज है सब्जियों और फलों में मौजूद कीटों को तो साफ करते ही है साथ ही कीट-नाशक को भी बेहतर तरीके से हटा देता है। एक बड़े बर्तन में पानी लेकर उसमें कुछ मात्रा में सिरका मिला लें। फलों और सब्जियों को उसमें डुबोकर रख दें। कुछ देर बाद उन्हें हल्के हाथों से मलकर बाहर निकाल लें। उसके बाद एक साफ बर्तन में उन्हें रखकर इस्तेमाल में लाएं।

2. बेकिंग सोडा की मदद से

सिरके के साथ ही बेकिंग सोडा से भी सब्जियों और फलों को साफ करना एक अच्छा उपाय है। पांच गिलास पानी में चार चम्मच बेकिंग सोडा डालकर फलों और सब्जियों को 15 मिनट के लिए इस मिश्रण में डुबो दें। इससे उनकी बाहरी त्वचा पर मौजूद सभी प्रकार की अशुद्धियां दूर हो जाएंगी।

3. हल्दी के पानी से भी कर सकते हैं साफ

बेकिंग पाउडर और सिरके के अलावा आप हल्दी के घोल से भी फलों और सब्जियों को साफ कर सकते हैं। हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है जिसकी वजह से हल्दी के घोल से फलों और सब्जियों को धोना बहुत ही अच्छा माना जाता है। इसके अलावा आप चाहें तो नमक के घोल से भी फलों और सब्जियों को साफ कर सकते हैं।

नवजात की मालिश के लिए अपनाएं ये तेल

आपके हाथों की छुअन आपके बच्चे के लिए बहुत फायदेमंद होती है। नवजात की मालिश, उसके शरीरिक विकास और तंदरुस्ती के लिए बहुत जरूरी है। मालिश करने से बच्चे की हड्डियां मजबूत बनती हैं। साथ ही मालिश के बाद बच्चों को नींद भी अच्छी आती है और वो एक्टिव रहते हैं।

बच्चे की मालिश करना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इससे ही बच्चे की त्वचा को पोषण मिलता है। पर कई बार इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो जाती है कि बच्चे के लिए कौन सा तेल सबसे बेहतर होगा। यूं तो

बाजार में कई कंपनियों के बेबी ऑयल मौजूद हैं लेकिन जरूरी नहीं की वो आपके बच्चे की त्वचा के लिए सही ही हों।

बच्चे की मालिश के लिए सही तेल का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसे में बेहतर रहेगा कि आप किसी भी तेल का चुनाव करने से पहले डॉक्टर से सलाह ले लें।

इसके अलावा ये कुछ ऐसे विकल्प हैं जिनसे मालिश करना भी सुरक्षित रहेगा।

नारियल तेल : नारियल तेल का चुनाव करना एक बेहतर विकल्प है. ये तेल काफी हल्का होता है और त्वचा बहुत आसानी से इसे सोख भी लेती है. नारियल का तेल ठंडक देने का काम करता है. इससे बच्चे की त्वचा को पोषण तो मिलता है ही साथ ही उसकी त्वचा मुलायम भी बनी रहती है. नारियल के तेल में एंटी-फंगल, एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है. ऐसे में बच्चे की त्वचा के लिए ये बेहतर विकल्प है.

सरसों का तेल : सरसों का तेल शरीर को गर्म रखने में मददगार होता है. पर सरसों का तेल बच्चे की त्वचा के लिहाज से ज्यादा भारी और गर्म हो सकता है. ऐसे में इसे किसी दूसरे हल्के तेल के साथ मिलाकर लगाना फायदेमंद रहेगा. इससे त्वचा तो चिकनी होती है साथ ही बच्चे को आराम भी मिलता है.

जैतून का तेल : बच्चों के लिए जैतून का तेल बहुत फायदेमंद होता है. बच्चे की त्वचा को इस तेल से कोई नुकसान नहीं होता है. सिर्फ भारत में ही नहीं, विदेशों में भी इस तेल से मालिश करने का चलन है.

बादाम का तेल : बादाम का तेल विटामिन ई के पोषण से भरपूर होता है. ये बच्चे की त्वचा को संपूर्ण सुरक्षा देने का काम करता है. बादाम तेल बच्चे को राहत देने का काम करता है जिससे उसे नींद अच्छी आती है.

कैस्टर ऑयल : कैस्टर ऑयल भी एक बेहतर विकल्प है लेकिन इसका इस्तेमाल नहाने से पहले ही करना सही रहेगा। रूखी-बेजान त्वचा के लिए ये बहुत फायदेमंद है। मालिश के लिए सालों से इस तेल का इस्तेमाल किया जाता रहा है।

एक ही फ्रेम में रखें पूरे परिवार की तस्वीर

आपने अकसर घरों में फैमिली पोट्रेट टंगा देखा होगा। यह हमेशा परिवार के आपसी प्यार और सद्भाव को दर्शाता है। इसमें परिवार के सभी सदस्यों के फोटो रहते हैं। यह न सिर्फ एक-दूसरे के प्यार को दिखाता है, बल्कि परिवार वालों के आपसी रिस्पेक्ट को भी दिखाता है। इसलिए फैमिली पोट्रेट को घर के महत्वपूर्ण स्थान पर लगाया जाता है। फेंगशुई भी आपके इस पारिवारिक प्रेम वाले फोटो के सही जगह रखने में मदद करता है।

आपको तो पता ही होगा कि फेंगशुई में रिलेशनशिप जोन घर के दक्षिण-पश्चिम को माना गया है। इसलिए आपको भी पारिवारिक फोटो को इसी जोन में लगाना चाहिए। इससे परिवारवालों के बीच आपसी प्रेम और विश्वास बना रहता है। घर के बेडरूम, बैठकखाना या गेस्टरूम के दक्षिण-पश्चिम दीवार को इसके लिए चुन लें।

अपने बेडरूम में लंबे-चौड़े फैमिली पोट्रेट को टांगें। इस बात का याल रखें कि परिवार के सदस्यों का मुस्कुराते हुए फोटो लगाना ही ज्यादा सही रहता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा यानी यांग एनर्जी बना रहता है. अगर परिवार में चार सदस्य हैं तो दो बैठे रहें और उनके पीछे दो खड़े रहें, ऐसे फोटो लगाना सही रहेगा। स्कावॉयर शेप वाले फोटो फेंगशुई में अच्छे माने जाते हैं, इससे परिवारवालों के बीच आपसी संबंध सही रहते हैं।

फैमिली फोटो ग्राउंड लोर वाले घर को सेकेंड लोर से जोडऩे वाली सीढ़ी जो बनाई जाती है उसके बगल वाली दीवार पर भी लगाया जाना सही रहता है। यहां लगाए गए फोटो से हृदय में हमेशा खुशी का संचार होता है और मन में भी शांति बनी रहती है। इस दौरान रेड कलर को आप न भूलें। रेड फ्रेम या इसी तरह के कुछ फोटो लगाना अच्छा रहता है।

अगर आपका किसी से तनावपूर्ण संबंध है और आप अपने संबंधों को उनके साथ दोबारा ठीक करना चाहते हैं तो आप अपना और उनका फोटो दक्षिण-पश्चिम दीवार पर लगाएं। अगर आप अपना और अपनी पत्नी का फोटो इस दिशा में लगाते हैं तो आपका संबंध और मजबूत बनेगा। अपने बच्चों का भी फोटो लगाएं इससे उनका आदर हमेशा आपके प्रति बना रहेगा. अगर आप अपने परिवारवालों के ज्यादा से ज्यादा फोटो लगाना चाहते हैं तो उसे एक फ्रेम में डालना न भूलें।

घर में इसलिए रखते हैं हरे पौधे

घर में यदि आप हरे पौधों को रखते हैं, तो यह घर के वास्तु दोषों को दूर करने में सहायक होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा तुलसी के पौधे को महत्व दिया जाता है। तुलसी के पौधे से जब हवा स्पर्श कर बहती है, तब वह घर के पर्यावरण को भी स्वस्थ्य रखती है।

प्रदूषण और रोग निवारण में तुलसी का पौधा औषधि है। इस घर में अवश्य ही लगाएं। ठीक इसी तरह पृथ्वी के नीचे कहीं-कहीं निगेटिव स्ट्रीम(झिर) होती है। यदि यह स्ट्रीम दुकान या फैक्ट्री पर हो तो गंभीर रोगों से प्रभावित हो सकता है। यह गंभीर रोग जैसे ह्रदय रोग, मधुमेह, लकवा और केंसर हो सकते हैं। तुलसी का पौधा यदि घर में है तो यह स्ट्रीम निष्क्रीय हो जाती है। हरे पौधे विकास का प्रतीक भी माने जाते हैं। जो घर के अंदर रखने से मंगलमय यानी सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करते हैं। ठीक इसी तरह वास्तु शांति के लिए घर के अंदर हवन भी हर माह जरूर करवाना चाहिए। हवन का धुंआ घर में उपस्थित निगेटिव एनर्जी, वास्तु दोषों के साथ रोग फैलाने वाले कीटाणुओं का भी अंत कर देता है। जिससे कि आपकी जिंदगी खुशनुमा तरीके से व्यतीत होती है।

धर्म की निंदा होने पर दिया उचित तर्क

बात उस समय की है जब स्वामी विवेकानंद पूना (वर्तमान में पुणे) गए हुए होते थे। वह रेलगाड़ी से वहां जा रहे थे। तभी वहां कुछ शिक्षित लोगों ने अंग्रेजी भाषा में सन्यासियों की निंदा करना शुरू कर दी। उन्हें लगा कि स्वामी जी को अंग्रेजी भाषा का ज्ञान ने होने के चलते वह नहीं समझ पाएंगे।

चर्चा जब रुकने का नाम नहीं ले रही थी और निंदा भी असीम हो रही थी तब स्वामी जी ने अंग्रेजी में बोलना शुरू कर दिया। युगों-युगों से से सन्यासियों ने ही तो संसार की आध्यात्मिक भाव धारा को सतेज और अक्षुण्ण बना रखा है। बुद्ध क्या थे, शंकराचार्य क्या थे? उनकी आध्यात्मिक देन को क्या भारत अस्वीकार कर सकता है, स्वामीजी के मुख से धर्म का क्रम विकास, देश विदेश के धर्मों की प्रगति का इतिहास तथा अनेक गंभीर दार्शनिक बातें सुनकर सहयात्रियों को विवश होकर हथियार डाल देना पड़ा।

यह वही समय था जब स्वामीजी को शिकागो की विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का पता चला था और यह सर्वविदित है कि उस धर्म सभा में स्वामीजी ने किसी भी धर्म की निंदा या समालोचना नहीं की अपितु उन्होंने कहा- ईसाई को हिन्दू या बौद्ध नहीं बनना होगा, और न हिन्दू अथवा बौद्ध को ईसाई ही। पर हां प्रत्येक धर्म को अपनी स्वतंत्रता और वैशिष्ट्य को बनाए रखकर दूसरे धर्मों का भाव ग्रहण करते हुए क्रमशः उन्नत होना होगा। उन्नति या विकास का यही एकमात्र नियम है।

उनकी इन बातों से वो अंग्रेज हैरान रह गए। इसी प्रसंग पर भगिनी निवेदिता लिखती हैं, शिकागो की धर्म महासभा में जब स्वामीजी ने अपना भाषण आरंभ किया तो उनका विषय था, हिंदुओं के प्राचीन विचार, पर जब उनका भाषण समाप्त हुआ तो आधुनिक हिन्दू धर्म की सृष्टि हो चुकी थी।

नवग्रह जब हो जाएं अशांत, तो दान से करें शांत

प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल और कुपित ग्रहों को शांत करने की विधियों की व्यवस्था मंत्रशास्त्र में की गई है। लेकिन इनका लाभ तभी होता है। जब इन अनुष्ठानों को शुद्ध उच्चारण और पूर्ण विधि विधान से किया जाए।

लेकिन दान के द्वारा भी इन्हें नवग्रहों को शांत किया जा सकता है। यहां हम कुछ सरल उपाय बता रहे हैं, जो काफी कारगर सिद्ध होते हैं। इन्हें किसी भी विद्वान ज्योतिषी की सहायता से पूरे कर सकते हैं।

सूर्य: रविवार के दिन स्नान एवं सूर्य को अर्ध्य देकर, कोई भी लाल वस्तु ब्राह्मण को दान दें। इससे सूर्य की अनुकूलता प्राप्त होती है।

चंद्रमा: चंद्रमा की प्रसन्नता के लिए पंचगव्य, चांदी, मोती, शंख, सीप और कुमुद को जल में डालकर उससे स्नान करने से चंद्रमा का दुष्प्रभाव दूर हो जाता है।

मंगल: लाल वस्त्र, मसूर की दाल, रक्त चंदन, गुड़ गाय के दूध का घी, केशर, कस्तूरी, गेहूं, लाल कनेर के फूल या कोई लाल फूल, मूंगा, रत्न, पीली या लाल रंग की गाय ये सब कुछ दान करने से मंगल का प्रभाव शांत हो जाता है।

बुध: हरे वस्त्र, गाय के दूध का घी, शक्कर, कपूर, पीले पुष्प, पांच प्रकार के ताजा फल, सोना, पन्ना, कांस्य और धन के रूप में रुपये। इन सभी का दान करने से बुध से संबंधित पीड़ा दूर हो जाती है।

बृहस्पति: पीला वस्त्र, शक्कर, खिलौना, चने की दाल, हल्दी, पीले फूल, नमक, यथासंभव धन, सोने का पात्र, पुखराज और कांस्य का दान करने से बृहस्पति की अशुभता का अंत होता है।

शुक्र: सफेद माला, सफेद फूल, सुगंधित द्रव्य, हीरा, सोना, चांदी, दक्षिणा, रंग-बिरंगा वस्त्र, सफेद चंदन, दूध, दही चावल और मिश्री के दाना से शुक्रजनित पीड़ा दूर होती है।

शनि: सरसों का तेल, काला वस्त्र, साबुत उड़द, काले फूल, नीलम, लोहा, कुलथी, कस्तूरी और पांच रुपये। इनका दान किसी जोशी जी को करने से शनि पीड़ा दूर होती है।

राहू: सरसों का तेल, सरसों, काले तिल, सीसा, नीले फूल, लोहे का कोई शस्त्र, कंबल आदि वस्तुएं नीले कपड़े में बांधकर जोशी जी को दान करें।

केतु: सहदेई, लजालु, बला, मोथा, प्रियंगु और हिंगोठ मिले जल से स्नान करने से केतु ग्रह की शांति होती है। दान में प्राय: वही सब वस्तुएं जोशी जी को दी जाती हैं, जो राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए उल्लेखित हैं।

इस ग्रह का ऐसे हुआ था जन्म, चंद्र से रहते हैं नाराज

कहते हैं चंद्रमा की पत्नी रोहिणी के गर्भ से जिस बालक का जन्म हुआ, उसका नाम बुध रखा गया। इसी संदर्भ में एक दूसरी पौराणिक कहानी भी प्रचलित है। जिसका उल्लेख हिंदू धर्मग्रंथो में मिलता है।

एक बार देवगुरु और ग्रह बृहस्पति की पत्नी तारा को चंद्र अपहरण करके ले गए। जब बृहस्पति ने अपनी पत्नी को वापिस मांगा तो चंद्र ने युद्ध की चुनौती दी।

चंद्र की ओर से उशना, रुद्र व अन्य दानवों और बृहस्पति की ओर से देवराज ने युद्ध किया। युद्ध काफी समय तक चलता रहा। ऐसे में पृथ्वी भी विचलित हो गई। उन्होंने युद्ध को रोकने के लिए ब्रह्माजी से निवेदन किया। ब्रह्माजी द्वारा मध्यस्थता करवाने पर युद्ध रुक गया। और बृहस्पति जी की पत्नी तारा को उन्हें सौंप दिया गया। कुछ दिनों बाद तारा ने एक पुत्र को जन्म दिया। उस बालक पर बृहस्पति और चंद्र दोनों ही अपना अधिकार बताने लगे, तब ब्रह्माजी के अनुरोध पर तारा ने बताया यह पुत्र चंद्रदेव का है। इसी कारण बुध का एक और नाम इंदुसुत भी है। बुध, चंद्र से इसी बात से कुपित रहते हैं लेकिन चंद्र, बुध को अपना शत्रु नहीं मानते हैं। यह प्रभाव लग्न और जन्मकुंडली में देखने को मिलता है। बुध का विवाह वैवस्वत मनु की पुत्री इला से हुआ था। बुध और इला के पुत्र का नाम पुरू था। पुरू ने अपने समय में लगभग 100 से अधिक अश्वमेघ यज्ञ करवाए थे। यही पुरू कालांतर में पुरूरवा के नाम से विख्यात हुए।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार पारी के बाद

ट्विटर पर कोहली की गूंज

नयी दिल्ली। आस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में 'करो या मरो' के अंतिम ग्रुप मुकाबले में नाबाद 82 रन की बेहतरीन पारी खेलकर भारत को आईसीसी विश्व टी20 के सेमीफाइनल में जगह दिलाने वाले विराट कोहली ट्विटर पर छा गए हैं जहां उनकी तारीफों के पुल बांधे जा रहे हैं।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी इस दौरान कोहली की सराहना करते हुए उनकी पारी को 'विशेष करार दिया. तेंदुलकर ने ट्वीट किया, ''वाओ.. विराट कोहली... विशेष पारी थी... शानदार जीत, पूरे मैच के दौरान कडा संघर्ष किया। भारत बनाम आस्ट्रेलिया एक अन्य महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने भी कहा कि कोहली 'अविश्वसनीय बल्लेबाज है। लारा ने ट्विटर पर लिखा, ''क्या कोई विराट कोहली के किशोरावस्था के वीडियो मुझे भेज सकता है। मैंने जिन्हें देखा उनमें क्रिकेट गेंद का सबसे अच्छा टाइमर. उन्होंने लिखा, ''वह अविश्वसनीय बल्लेबाज है. कुछ और कहने की जरूरत नहीं है। कोहली के टीम के साथियों युवराज सिंह, हरभजन सिंह और शिखर धवन ने भी उनकी बल्लेबाजी और मैच जिताने की क्षमता की तारीफ की। युवराज ने ट्वीट किया, ''मैं क्या कह सकता हूं. ऐसे खिलाड़ी हैं जो फार्म में हैं और विराट कोहली है जो आपके लिए बार- बार मैच जीत रहा है। हरभजन ने लिखा, ''जियो कोहली जियो मेरे शेर. क्या पारी थी। मेरे छोटे भाई विराट कोहली तुम क्या चैंपियन खिलाड़ी हो। धवन ने ट्वीट किया। ''शानदार पारी के लिए विराट को सलाम. उससे काफी कुछ सीखा जा सकता है। पाकिस्तान के पूर्व आफ स्पिनर सकलेन मुश्ताक ने भी कोहली की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''भारत का शानदार प्रदर्शन और विराट कोहली की शानदार पारी। बीसीसीआई सचिव अनुराग ठाकुर ने भी ट्वीट किया, ''विराट कोहली का शानदार प्रयास. आपने बेहतरीन जज्बा दिखाया. सेमीफाइनल के लिए भारतीय टीम को शुभकामनाएं। आस्ट्रेलिया की हार के दौरान मैदान पर मौजूदा ग्लेन मैक्सवेल और संन्यास लेने वाले शेन वाटसन ने भी कहा कि एक जीनियस क्रिकेटर से उन्हें हराया।

कपूर एण्ड संस

रिश्तों के ईर्द-गिर्द बुनी गई इस शानदार फिल्म की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। एक मध्यमवर्गीय परिवार की आर्थिक जरूरतों की जटिलता ही सामाजिक समीकरण का निर्धारण करती है और इंसान कब सुख और धन में फर्क करना भूल जाता हे उसे पता ही नहीं चलता। भौतिकतावादी रुपी अजड़ उसे इस तरह से निगलता है की परिवार और दोस्त सब पीछे छूट जाते है और जब उसे उनकी अहमियत समझ आती है तब वक्त नहीं होता। किसी भी रिश्ते में परस्पर संवाद का बहुत महत्व है और इसके बिना कोई परिवार किस तरह से बिखर सकता हे इसका एक अच्छा उदाहरण हे ये ि ल्म 'कपूर एन्ड संस'।

धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित फिल्म कपूर एंड संस का डायरेक्शन शकुन बत्रा ने किया है। फिल्म में आलिया और सिड की जोड़ी के साथ फवाद खान, रजत कपूर, ऋषि कपूर और रत्ना पाठक शाह ने भी काम किया है। ये फिल्म ऋषि कपूर के शानदार अभिनय के लिए जानी जायेगी और उनके लंबे फिल्मी सफर को एक खूबसूरत मोफ देगी। उम्र के इस पड़व पर जिस तरह के रोल अमिताभ बच्चन को मिल रहे है वैसा ही ये रोल ऋषि कपूर को मिला है जिसमें उन्होंने अपने बेहतरीन अभिनय से ये बता दिया है की भारी भरकम मेकअप के साथ सिर्फ अपनी आँखों से ही ऐसा प्रभावशाली अभिनय किया जा सकता है जिसका कोई मुकाबला नहीं हो सकता। और वो कही भी अमिताभ की 'पा' से कमतर नहीं बैठते। फवाद और रत्ना पाठक ने भी शानदार काम किया है। सिद्धार्थ और आलिया ठीक ठाक है। फिल्म का निर्देशन अच्छा है और संगीत भी औसत से बेहतर है। फिल्म की सर्वश्रेष्ठ खूबी इसका सम्पादन है जो उत्कृष्ट है ये सूरज बड़जात्या की आदर्शवादी पारिवारिक फिल्मों से उलट एक व्यवहारिक फिल्म है जो इस तरह की फिल्मों का अगला स्तर है और सभी दर्शको के मन को छूने में सक्षम है। इसे जरूर देखें। मै इस ि ल्म को 3 और 1 स्टार ऋषि कपूर को देता हूँ इस तरह इस फिल्म को कुल 4 स्टार मिलते है।

★★★★ *अजय सिसोदिया*

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, E-mail: parag073@gmail.com, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)